University in News on 21 August 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उपलब्धि | राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक अवॉर्ड से किया सम्मानित

लखनऊ के अभिषेक ने खोजा 10 हजार करोड़ का सोना-तांबा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। अपने शहर के अभिषेक शुक्ला ने कर्नाटक के रायचूर जिले में 10 हजार करोड़ का सोना और तांबा तलाशने में सफलता हासिल की है। लखनऊ विश्वविद्यालय में भूगर्भ विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र को इस उपलब्धि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को सम्मानित किया।

राष्ट्रपति भवन स्थित कल्चरल सेंटर में खनिज मंत्री जी किशन रेड्डी की मौजूदगी में उन्हें डिस्कवरी और एक्सप्लोरेशन की श्रेणी में राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक अवॉर्ड दिया गया।

अभिषेक शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2015 में उन्होंने रायचूर में प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया था, जो 2022 तक चला। इस दौरान 18.7 मिलियन टन कॉपर (तांबा) और 1.7 मिलियन टन (सोना) मिला। स्वर्ण खनिज को शोधित करने पर करीब 700 किलो सोना तैयार होगा। दोनों धातुओं की वर्तमान बाजार कीमत करीब 10 हजार करोड़ रुपये है।

रायचूर जिले में 2015 से 2022 तक चले प्रोजेक्ट में हासिल की कामयाबी

खनिज संपदा में अभिषेक के साथ टीम में केरल से डॉ. एमएन प्रवीण, व डॉ. परशुराम और महाराष्ट्र की डरेरा डिसिल्वा थे।

जानकीपुरम निवासी अभिषेक बताते हैं कि रायचूर की मैपिंग करने पर उन्हें सोना और अन्य खनिज संपदा होने के संकेत मिले। इसके बाद उन्होंने ड्रिल करना शुरू किया, जिसके नतीजे ज्यादा सकारात्मक नहीं थे। उन पर प्रोजेक्ट बंद करने का दबाव बन रहा था, क्योंकि एक मीटर ड्रिल करने की लागत छह से सात हजार रुपये आती है।

उधर, उनके मॉडल के हिसाब से उस स्थान पर तांबा, सोने का बड़ा भंडार होने का संकेत मिल रहा था। उन्होंने अफसरों से बात की, जिसके बाद आगे ड्रिल करने की अनुमति मिली। खोज के दौरान अलग-अलग स्थानों पर करीब सात हजार मीटर ड्रिल की गई। सबसे अधिक गहराई की ड्रिल 350 मीटर की थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भू-वैज्ञानिक अभिषेक शुक्ला को किया सम्मानित। स्रोत : स्वयं

पत्थर पर हरे निशान का मतलब तांबा, लाल का लोहा

अभिषेक शुक्ला ने बताया कि जो पत्थर समय के साथ लगातार पानी पड़ने पर हरे निशान वाले होते हैं, वहां तांबा होने की संभावना होती है। जिन पत्थरों पर लाल निशान दिखते हैं, वहां लोहा मिलता है। इस प्रोजेक्ट में पत्थरों पर हरे निशान थे। इनका बुरादा बनाकर जांच करने पर .10 फीसदी से भी कम अंश मिल रहा था, जबकि इससे ज्यादा अंश होने पर ही आगे ड्रिल की अनुमति होती है। हालांकि, अभिषेक के कहने पर 350 मीटर गहरी ड्रिल की गई तो तांबा होने के स्पष्ट प्रमाण मिल गए।

लविवि से किया स्नातक और परास्नातक

- अभिषेक ने वर्ष 2005 में लविवि में बीएससी में जियोलॉजी के साथ दाखिला लिया। स्नातक के बाद परास्नातक में प्रवेश लिया, जो 2010 में पूरा हुआ। फिर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में उनकी नौकरी लग गई। 2013 में यूपीएससी की परीक्षा दी और भारतीय भू वैज्ञानिक सेवा में चयन हो गया। अभिषेक 2013 से 2022 तक बंगलूरू में कार्यरत रहे। इसके बाद लखनऊ में तैनाती हो गई। वे अभी भारतीय भू वैज्ञानिक उत्तरी क्षेत्र कार्यालय, लखनऊ में संयुक्त निदेशक के पद पर हैं। उन्होंने पढ़ाई के दौरान शिक्षक रहे व वर्तमान में भू-गर्भ विज्ञान विभाग के हेड प्रो. ध्रुवसेन सिंह का विशेष आभार जताया।

लविवि : स्नातक चौथे साल में प्रवेश के लिए फॉर्म जारी

31 अगस्त तक विवि की वेबसाइट पर कराना होगा पंजीकरण

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत बहुप्रतीक्षित स्नातक चौथे वर्ष में दाखिले के लिए फॉर्म जारी कर दिए हैं। सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 31 अगस्त तक विवि की वेबसाइट पर पंजीकरण करा सकते हैं।

लविवि की डीन एडमिशन प्रो. पंकज माथुर ने पत्र जारी कर चौथे साल में प्रवेश के लिए नोटिफिकेशन जारी किया। डीन की तरफ से जारी पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि स्नातक पाठ्यक्रम में एक से लेकर छह सेमेस्टर तक 7.5 सीजीपीए अंक हासिल करने वाले विद्यार्थी सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। वे लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपने मेजर-एक विषय में आवेदन कर दें। किसी तरह की समस्या आने पर प्रवेश समन्वयक कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

विवि में पहली बार होंगे चौथे साल में दाखिले

लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020 में एनईपी लागू की थी। सत्र 2023-24 में यहां स्नातक के तीन वर्ष पूरे हो गए हैं। एनईपी में स्नातक को चार वर्षीय पाठ्यक्रम बनाया गया है। इसलिए चौथे वर्ष में विश्वविद्यालय पहले साल दाखिला लेने जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक कोर्स में एक बैच में 60 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, चार वर्षीय स्नातक की डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों के लिए परास्नातक करने की बाध्यता नहीं होगी। वह स्नातक करने के बाद सीधे पीएचडी में प्रवेश पाने के लिए अर्ह होंगे। जबकि विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश भी ले सकते हैं। चार वर्षीय स्नातक में अभ्यर्थी को यूजी विद रिसर्च की डिग्री दी जाएगी।

पुनर्वास विवि : बीए, बीएड में सबसे अधिक आवेदन

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में बीए और बीएड में दाखिले के लिए सबसे ज्यादा आवेदन आए हैं। बीए में 675 और बीएड के लिए 320 आवेदन आए हैं। विवि में कुल 3953 अभ्यर्थियों ने आवेदन फीस जमा की है। विवि के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय ने बताया कि विवि में दाखिले के लिए इस साल काफी अच्छा रेस्पांस मिला है। बीकॉम में 158, बीकॉम एलएलबी ऑनर्स में 134, बीबीए में 153, डीएड में 82, एमएससी फिजिक्स में 17, एमसीए में 56, एमए हिंदी में 81, एमए समाजशास्त्र में 111, बीएससी में 24, एलएलएम में 117 और बीटेक में 156 आवेदन आए हैं। दाखिले की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। (माई सिटी रिपोर्टर)

डॉ. नितीश राय को एनएएसआई से सम्मान

लखनऊ। लविवि के प्राणिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नितीश राय को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएसएआई) की सदस्यता से सम्मानित किया गया है। डॉ. राय को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में, विशेष रूप से जैव रसायन, जैव भौतिकी और जैव प्रौद्योगिकी में, यह प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। उनकी यह सदस्यता लखनऊ विवि के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में और अधिक मजबूती प्रदान करती है। (संवाद)

HT PAGE 3

LU asst prof receives NASI membership

LUCKNOW: Nitish Rai, a newly appointed assistant professor in the department of zoology, has been honoured with membership in The National Academy of Sciences, India (NASI). Rai received this recognition in the field of Biological Sciences, specifically in Biochemistry, Biophysics, and Biotechnology. The NASI membership list, released on August 12, included Rai among 13 other distinguished scientists.

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: स्नातक चतुर्थ वर्ष में प्रवेश के आवेदन 31 तक

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक चतुर्थ वर्ष यानी सातवें सेमेस्टर में एडमिशन के लिए पंजीकरण की शुरूआत हो गई है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म अपलोड कर दिया गया है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। इस संबंध में अधिष्ठाता प्रवेश ने निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

अधिष्ठाता प्रवेश प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों के सत्र 2023-24 में स्नातक की परीक्षाओं में प्रथम से छठे सेमेस्टर तक कुल 7.5 या इससे अधिक सीजीपीए प्राप्त किए हैं, वह चतुर्थ वर्ष यानी सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र माने जाएंगे। ऐसे अभ्यर्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट के एडमिशन पेज पर जाकर सातवें सेमेस्टर में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अधिष्ठाता प्रवेश के मुताबिक अभ्यर्थियों को रजिस्ट्रेशन करते समय मेजर वन विषय का चयन करना जरूरी है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त रखी गई है।

बीटेक, बीफार्मा और एमसीए के लिए फिजिकल रिपोर्टिंग 29 से

यूपीटीएसी काउंसलिंग 2024 के जरिए बीटेक, बीफार्मा, एमसीए और बीटेक या बीफार्मा लेट्रल एंट्री पाठ्यक्रम में जिन अभ्यर्थियों को सीटें अलॉट की गई हैं, उनके लिए फिजिकल रिपोर्टिंग की तिथि तय कर दी गई है। इस संबंध में इंजीनियरिंग संकाय की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसके अनुसार 29 अगस्त से चार सितंबर तक अभ्यर्थी रिपोर्ट कर सकते हैं।

बीपीएड, एमपीएड और एलएलबी में सीटें आवंटित

अधिष्ठाता प्रवेश प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि सत्र 2024-25 के लिए बीपीएड, एमपीएड, एलएलबी तीन वर्षीय और एमकॉम कॉमर्स का पहला सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। जानकारी वेबसाइट पर है।

छात्रों के प्रमाण पत्रों की सत्यापन तिथि जारी

एलयू में एमएससी भौतिक विज्ञान में दस्तावेजों का सत्यापन बुधवार तक चलेगा। एप्लीकेशन फॉर्म, प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर, हाई स्कूल, इंटर, ग्रेजुएशन की मार्कशीट व सर्टिफिकेट साथ में ले जाना होगा।

एलयू के डॉ. नितीश एनएएसआई सदस्य बने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राणिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नितीश राय को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई) की सदस्यता देकर सम्मानित किया गया है। डॉ. राय को जैविक विज्ञान के क्षेत्र जैव रसायन, जैव भौतिकी और जैव प्रौद्योगिकी में यह प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एनएएसआई सदस्यता सूची में डॉ. राय को प्रमुख संस्थानों के 13 अन्य वैज्ञानिकों के साथ शामिल किया गया है।

i-NEXT PAGE 4

स्नातक 5वें सेमेस्टर में मेजर सबजेक्ट चुन सकेंगे स्टूडेंट्स

LUCKNOW (20 Aug) : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक पांचवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को अपने दो मेजर में से एक मेजर विषय का चयन करना होगा. पांचवें सेमेस्टर में मेजर वन का विकल्प बाध्यकारी है. इसे आगे नहीं बदला जाएगा. डीन एकेडमिक के पत्र के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने मेजर विषय एवं क्रेडिट को लेकर विद्यार्थियों में हो रहे भ्रम को दूर करने के लिए संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, निदेशक एवं प्रभारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं.

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किए दिशा-निर्देश

इस सत्र से लागू होगा 20 क्रेडिट का सिस्टम

लखनऊ विश्वविद्यालय में टर्म पेपर, इंटर्नशिप, माइनर प्रोजेक्ट और डिजर्टेशन-मेजर वन में ही किया जाएगा. स्नातक के संशोधित पाठ्यक्रम में 20 क्रेडिट का प्रविधान इसी सत्र से स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं पर ही लागू होगा.

पहले काफी था कंफ्यूजन

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा के अनुसार स्नातक में पहले सेमेस्टर से छात्र-छात्राओं को दो मेजर और एक माइनर विषय लेना होता है. लेकिन पांचवें सेमेस्टर में विद्यार्थी को यह तय करना होता है कि मेजर विषय कौन-सा होगा. इसको लेकर छात्र-छात्राओं में काफी भ्रम था. इसलिए पांचवें सेमेस्टर में मेजर-वन के आवंटन एवं नए संशोधित पाठ्यक्रम लागू होने के संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया गया है.

एमएससी बाटनी की क्लासेज 27 से

लखनऊ विश्वविद्यालय में एम.एससी बाटनी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की कक्षाएं 27 अगस्त से समय सारिणी के अनुसार शुरू होंगी.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

डॉ. नितीश एनएएसआई सदस्यता से सम्मानित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र में सहायक प्रोफेसर डॉ.नितीश राय को प्रतिष्ठित एनएएसआई सदस्यता से सम्मानित किया गया। प्राणीशास्त्र विभाग में हाल ही में नियुक्त सहायक प्रोफेसर डॉ.नितीश राय को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत की प्रतिष्ठित सदस्यता से सम्मानित किया गया है। डॉ.राय को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में, विशेष रूप से जैव रसायन, जैव भौतिकी और जैव प्रौद्योगिकी में यह प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। डॉ.राय की सदस्यता लविवि के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जो इसे वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में और अधिक मजबूती प्रदान करती है। 12 अगस्त 2024 को जारी एनएएसआई सदस्यता सूची में, डॉ. राय को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, नई दिल्ली जैसे प्रमुख संस्थानों के 13 अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के साथ शामिल किया गया। कुल मिलाकर, 60 वैज्ञानिकों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया। जो भारत में विज्ञान और अनुसंधान में उनकी असाधारण उपलब्धियों को दर्शाता है।

स्नातक एनईपी के चौथे वर्ष के लिए प्रवेश प्रारंभ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। स्नातक (एनईपी) चतुर्थ वर्ष में प्रवेश के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म जारी कर दिए गए हैं। जिन अभ्यर्थियों के सत्र 2023-24 में स्नातक (यूजी एनईपी) की परीक्षाओं में सेमेस्टर 1 से सेमेस्टर 6 तक कुल 7.5 या इससे अधिक सीजीपीए प्राप्त किए हैं। वे अभ्यर्थी स्नातक (यूजी एनईपी) चौथे वर्ष के सेमेस्टर 7 का रजिस्ट्रेशन आवेदन अपने प्रमुख एक विषय में कर दें। आवेदन के लिए अभ्यर्थी लविवि की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के एडमिशन पेज पर जाकर कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित है। उक्त जानकारी प्रो.पंकज माथुर,अधिष्ठाता प्रवेश, लविवि ने दी।

JAGRAN CITY PAGE III

स्नातक पांचवें सेमेस्टर में प्रमुख विषय का चयन करेंगे विद्यार्थी

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक पांचवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को अपने दो मेजर में से एक मेजर विषय का चयन करना होगा। पांचवें सेमेस्टर में मेजर वन का विकल्प बाध्यकारी है। इसे आगे नहीं बदला जाएगा। डीन एकेडमिक के पत्र के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने मेजर विषय एवं क्रेडिट को लेकर विद्यार्थियों में हो रहे भ्रम को दूर करने के लिए संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, निदेशक एवं प्रभारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा के अनुसार स्नातक में पहले सेमेस्टर से छात्र-छात्राओं को दो मेजर और एक माइनर विषय लेना होता है, लेकिन पांचवें सेमेस्टर में विद्यार्थी को यह तय करना होता है कि मेजर विषय कौन-सा होगा। इसको लेकर छात्र-छात्राओं में काफी भ्रम था। इसलिए पांचवें सेमेस्टर में मेजर-वन के आवंटन एवं नए संशोधित पाठ्यक्रम लागू होने के संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

इस सत्र से लागू होगा 20 क्रेडिट का सिस्टम: लखनऊ विश्वविद्यालय में टर्म पेपर, इंटर्नशिप, माइनर प्रोजेक्ट और डिजर्टेशन मेजर वन में ही किया जाएगा। स्नातक के संशोधित पाठ्यक्रम के तहत 20 क्रेडिट का प्रविधान इसी सत्र से स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं पर ही लागू होगा।

एमएससी बाटनी की कक्षाएं 27 से : लखनऊ विश्वविद्यालय में एम.एससी बाटनी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की कक्षाएं 27 अगस्त से समय सारिणी के अनुसार शुरू होंगी।

एनईपी के तहत स्नातक चौथे साल में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक (एनईपी) चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए आनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने सत्र 2023-24 में स्नातक (यूजी एनईपी) की परीक्षाओं में एक से छह सेमेस्टर तक 7.5 सीजीपीए या इससे अधिक प्राप्त किए हैं। वह स्नातक चौथे वर्ष के सातवें सेमेस्टर का पंजीकरण आवेदन मेजर वन विषय में कर सकते हैं। अधिष्ठाता प्रवेश प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि अभ्यर्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://lurn.lkouniv.ac.in/ पर दिए गए लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 है।

बीएससी का ओरिएंटेशन 21 को : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में बी.एससी प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं का ओरिएंटेशन 21 अगस्त को सुबह 10 बजे से होगा। एम.एससी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 22 अगस्त से शुरू होंगी।

25 अगस्त तक होंगे स्नातक व परास्नातक के प्रवेश

जासं, लखनऊ: पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला पीजी कालेज ने स्नातक व परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन के साथ प्रवेश लेने की तिथि 25 अगस्त तक बढ़ा दी है। प्राचार्य डा. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि बी.ए, बी.काम, बी.एससी गणित के साथ पीजी के विभिन्न विषयों में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। कालेज की वेबसाइट पर प्रवेश की जानकारी उपलब्ध है।

डा. नितीश राय को सम्मान

डा. नितीश राय

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. नितीश राय को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत (एनएएसआइ) की प्रतिष्ठित सदस्यता से सम्मानित किया गया है। डा. राय को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से जैव रसायन, जैव भौतिकी और जैव प्रौद्योगिकी में यह प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। डा. राय की सदस्यता लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हाल ही में जारी सदस्यता सूची में डा. राय को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और अंतरराष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र नई दिल्ली जैसे प्रमुख संस्थानों के 13 अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के साथ शामिल किया गया।